Bihar Board

SAMPLE PAPER

aglasem.com

2024

INTERMEDIATE EXAMINATION – 2024 (ANNUAL)

Sub. Code – 112/212/312/508

Model Set

BHOJPURI

I.A., I.Sc., I.Com & Voc.

समयः 3 घंटे 15 मिनट | पूर्णांक–100

Time : 3 Hrs. 15 Minutes | **Full Marks : 100**

कुल प्रश्नों की संख्या : 100 + 7 = 107 | कुल पृष्ठों की संख्या – 15

Total No. of Questions : 100 + 7 =107 | **Total No. of pages - 15**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :–

1. परीक्षार्थी OMR उत्तर–पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें।
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
4. प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
5. यह प्रश्न–पत्र दो खण्डों में है, खण्ड–अ एवं खण्ड–ब।
6. खण्ड–अ में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनमें से किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। 50 से अधिक प्रश्नों का उत्तर देने पर प्रथम 50 उत्तरों का ही मूल्यांकन किया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनके सही उत्तर को उपलब्ध कराये गये OMR उत्तर–पत्रक में दिये गये सही विकल्प को काले/नीले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के व्हाइटनर/तरल

schools.aglasem.com

aglasem.com

पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का OMR उत्तर–पत्रक में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।

7. खण्ड–ब में कुल 7 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं।

8. किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

खण्ड–अ (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न संख्या 1 से 100 तक के प्रत्येक प्रश्न के साथ चार विकल्प दिए गए हैं। इनमें से कोई एक सही हैं। इन 100 प्रश्नों में से किन्हीं 50 प्रश्नों के उत्तर देने हेतु अपने द्वारा चुने गये सही विकल्प को OMR उत्तर–पत्रक पर चिह्नित करें।

नीचे दिहल वस्तुनिष्ठ प्रश्नन में से सही उत्तर चुनीं – ***50x1=50***

1. कबीरदास कवना पंथ के संस्थापक बानीं ?

(A) रैदास–पंथ (B) दादू–पंथ

(C) कबीर–पंथ (D) नानक–पंथ

2. भिनक राम जी कवना संप्रदाय के संस्थापक रहीं ?

(A) सखी–संप्रदाय (B) सरभंग–संप्रदाय

(C) बौद्ध–संप्रदाय (D) लक्ष्मी–संप्रदाय

3. कबीरदास के भगति रहे –

(A) सगुन (B) निरगुन

(C) दूनो (D) कवनो ना

4. भिनकराम के भगति रहे –

(A) सगुन (B) निरगुन

(C) दूनो (D) कवनो ना

5. कबीरदास कवना काल के कवि रहीं ?

(A) आदिकाल (B) भक्तिकाल

(C) सिंगारकाल (D) आधुनिककाल

schools.aglasem.com

aglasem.com

6. 'मछरी' के विधा ह –

(A) कविता (B) कहानी

(C) नाटक (D) उपन्यास

7. 'मछरी' केकर लिखल ह ?

(A) राहुल सांकृत्यायन (B) भगवत शरण उपाध्याय

(C) सत्येन्द्र सुमन (D) रामेश्वर सिंह काश्यप

8. 'जोंक' के विधा ह –

(A) कविता (B) कहानी

(C) एकांकी (D) शब्दचित्र

9. 'जोंक' केकर लिखल ह ?

(A) राहुल सांकृत्यायन (B) उदयनाराण तिवारी

(C) प्रभुनाथ सिंह (D) हीरा डोम

10. 'अँचरा के छाँह' के विधा ह –

(A) कविता (B) कहानी

(C) संस्मरण (D) यात्रा–वृत्तांत

11. 'अँचरा के छाँह' केकर लिखल ह ?

(A) महेन्द्र शास्त्री (B) महेन्द्र मिसिर

(C) रामनाथ पाठक (D) रामनाथ पांडेय

12. 'भोर हो गइल' के विधा ह –

(A) शिकारकथा (B) आत्मकथा

(C) लघुकथा (D) कविता

13. 'भोर हो गइल' केकर लिखल ह ?

(A) गंगा प्रसाद अरूण (B) रघुवीर नारायण

(C) पांडेय कपिल (D) मनोरंजन प्र0 सिन्हा

14. डॉ0 काशी प्रसाद जायसवाल कवना विषय के विद्वान रहीं ?

(A) हिन्दी (B) अंग्रेजी

(C) भूगोल (D) इतिहास

schools.aglasem.com

aglasem.com

15. चेखव कवना देश के रहनिहार रहीं ?

(A) भारत (B) रूस

(C) इंगलैंड (D) फ्रांस

16. ग्रियर्सन कवना देश के रहनिहार रहीं ?

(A) भारत (B) रूस

(C) इंगलैंड (D) फ्रांस

17. रवीन्द्र नाथ ठाकुर कवना देश के रहनिहार रहीं ?

(A) भारत (B) रूस

(C) इंगलैंड (D) फ्रांस

18. चेखव के कवना पुरस्कार मिलल रहे ?

(A) नोबेल (B) पुश्किन

(C) ज्ञानपीठ (D) पद्मश्री

19. रवीन्द्र नाथ ठाकुर के कवना पुरस्कार मिलल रहे ?

(A) नोबेल (B) पुश्किन

(C) ज्ञानपीठ (D) पद्मश्री

20. शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव के कवना पुरस्कार मिलल रहे ?

(A) नोबेल (B) पुश्किन

(C) ज्ञानपीठ (D) पद्मश्री

21. 'भोर हेा गइल' में कवना समय के वर्णन बाटे ?

(A) दिन (B) रात

(C) भिनसहार (D) दूपहर

22. 'अछूत की शिकायत' के विधा ह –

(A) कविता (B) कहानी

(C) निबंध (D) नाटक

23. 'मानिक मोर हेरइले' के विधा ह –

(A) कविता (B) कहानी

(C) ललित निबंध (D) एकांकी

schools.aglasem.com

aglasem.com

24. 'पारन' के विधा ह –

(A) कविता (B) भाषण

(C) कहानी (D) शब्दचित्र

25. 'फिरंगिया' के विधा ह –

(A) कहानी (B) कविता

(C) लघुकथा (D) रिपोर्त्ताज

26. फिरंगिया कवन रहन सन ?

(A) अंग्रेज (B) फ्रेंच

(C) रसियन (D) बंगलादेशी

27. 'अछूत की शिकायत' में शिकायत भइल बा –

(A) अछूत के (B) गरीब लोगन के

(C) ऊँच वर्ग के लोगन के (D) केकरो ना

28. 'फिरंगिया' के मूल स्वर का ह ?

(A) सिंगार (B) राष्ट्र–प्रेम

(C) भगति (D) प्रकृति

29. 'काकी के गहना' के विधा ह –

(A) कविता (B) शब्दचित्र

(C) निबंध (D) कहानी

30. 'उत्थान' के विधा ह –

(A) कविता (B) शब्दचित्र

(C) निबंध (D) कहानी

31. राम बिहारी ओझा अनुवाद कइले बानीं –

(A) भोजपुरी से बंगला (B) बंगला से भोजपुरी

(C) दूनो (D) कवनो ना

32. डॉ0 प्रभुनाथ सिंह अनुवाद कइले बानीं –

(A) रशियन से भोजपुरी (B) भोजपुरी से रशियन

(C) दूनो (D) कवनो ना

schools.aglasem.com

aglasem.com

33. डॉ0 प्रभुनाथ सिंह का कइल अनुवाद ह –

(A) पारन (B) नवगीत

(C) साल में एक बेर (D) केकरा खातिर छठ

34. गंगा प्रसाद अरूण के भोजपुरी गीत–संग्रह ह –

(A) लुकार (B) हहरत हियरा

(C) डरल जियरा (D) सहमल दियरा

35. गंगा प्रसाद अरूण कहवाँ कार्यरत रहनीं ?

(A) राँची (B) पटना

(C) बोकारो (D) जमशेदपुर

36. डॉ0 उषा वर्मा का कहानी–संग्रह ह –

(A) लाइची (B) पूछेगा सारा गाँव बंधु

(C) माटी का देवता (D) रूक जा आदित्य

37. रामेश्वर सिंह काश्यप कहवाँ के रहनिहार रहीं ?

(A) आरा (B) छपरा

(C) गोरखपुर (D) रोहतास

38. रामेश्वर सिंह काश्यप के उपनाम रहे –

(A) लोहा सिंह (B) सोना सिंह

(C) चाँदी सिंह (D) हीरा सिंह

39. भोजपुरी के आदिकवि मानल जाला –

(A) सरहपाद (B) कण्हपाद

(C) भुसुप्पाद (D) कबीरदास

40. 'मानिक मोर हेरइले' के रचनाकर बानीं –

(A) डॉ0 उषा वर्मा (B) डॉ0 विद्या निवास मिश्र

(C) डॉ0 सत्येन्द्र सुमन (D) डॉ0 भगवत शरण उपाध्याय

41. 'पारन' के रचनाकर बानीं –

(A) डॉ0 उदय नारायण तिवारी (B) डॉ0 शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव

(C) डॉ0 भगवत शरण उपाध्याय (D) डॉ0 प्रभुनाथ सिंह

schools.aglasem.com

aglasem.com

42. 'कुंती' कवन कहानी के नायिका ह ?

(A) काकी के गहना (B) मछरी

(C) अँचरा के छाँह (D) केकरा खातिर छठ

43. 'प्रेम के कलश' कविता में मनाही कइल गइल बा –

(A) स्वार्थ पूरा कइला से (B) देश भगति करे से

(C) व्यर्थ चरन–वंदन करे से (D) खेती करे से

44. भोर भइला प खोले के कहल गइल बा –

(A) केबाड़ी (B) खिड़की

(C) दुआर (D) तीनू

45. 'रूप के हिरन' कविता में किलकारी सुनाई पड़ता –

(A) पहाड़ी के (B) हिरन के

(C) नदी के (D) रूप के

46. दुअरा प वर आ अंगना में गहना देखे खातिर मँड़राली

(A) सराती मेहरारू (B) सराती मरद

(C) बाराती मेहरारू (D) बाराती मरद

47. आम के फूल के कहल जाला –

(A) मोजर (B) चोकर

(C) जोकर (D) ठोकर

48. आम के छोट–छोट फर के कहल जाला –

(A) टिकोरा (B) अमोरा

(C) तिकोरा (D) चिकोरा

49. आम के छोट–छोट गाछन के कहल जाला –

(A) टिकोला (B) चोप

(C) अमोला (D) अमावट

50. जमोट कवन लकड़ी के बनेला ?

(A) आम (B) जामुन

(C) कटहल (D) सखुआ

schools.aglasem.com

aglasem.com

51. मगध प्रदेश के प्राचीन वैदिक नाम रहे –

(A) विकट (B) टिकट

(C) कीकट (D) झीकट

52. उपसर्ग कवनो शब्द में लागेला –

(A) पहिले (B) बाद में

(C) बीच में (D) केहिजो ना

53. प्रत्यय कवनो शब्द में लागेला –

(A) पहिले (B) बाद में

(C) बीच में (D) कवनो ना

54. 'निसतनिया' शब्द में उपसर्ग ह –

(A) नि (B) सतनिया

(C) दूनो (D) कवनो ना

55. 'खिसिआइल' शब्द में प्रत्यय ह –

(A) खिसिआना (B) आइल

(C) दूनो (D) कवनो ना

56. दू ध्वनि के मेल से बनेला –

(A) वर्ण (B) शब्द

(C) वाक्य (D) तीनू

57. दू वर्ण के मेल से बनेला –

(A) अक्षर (B) शब्द

(C) वाक्य (D) तीनू

58. दू शब्दन के मेल से बनेला –

(A) वर्ण (B) अक्षर

(C) वाक्य (D) तीनू

59. 'सोन नदी' के लिंग ह –

(A) पुलिंग (B) स्त्रीलिंग

(C) उभयलिंग (D) नपुंसकलिंग

schools.aglasem.com

aglasem.com

60. 'गंगा नदी' के लिंग ह –

(A) पुलिंग (B) स्त्रीलिंग

(C) दूनो (D) कवनो ना

61. 'चंद्रमा' के पर्यायवाची शब्द ह –

(A) शशि (B) सूरज

(C) तरेगन (D) धरा

62. जेकर अंत ना होखे, कहाला –

(A) अदृश्य (B) बेअंत

(C) अनंत (D) सुमंत

63. 'कमलेश' के संधि–विच्छेद होखी –

(A) क + मलेश (B) कम + लेश

(C) कमल + ईश (D) कमले + श

64. 'हरिअर गाछ खाड़ ह' में संज्ञा ह –

(A) हरिअर (B) गाछ

(C) खाड़ (D) ह

65. 'हरिअर गाछ खाड़ ह' में क्रिया ह –

(A) हरिअर (B) गाछ

(C) खाड़ (D) ह

66. 'हरिअर गाछ खाड़ ह' में विशेषण ह –

(A) हरिअर (B) गाछ

(C) खाड़ (D) ह

67. 'बबुआ तेजी से दौड़ेला' में क्रिया–विशेषण ह –

(A) बबुआ (B) तेजीसे

(C) दौड़ेला (D) कवनो ना

68. 'बाँट–चोट के खाइल' मुहावरा के अर्थ ह –

(A) समान हिस्सेदारी (B) कम–बेसी हिस्सा

(C) असमान बँटवारा (D) तीनू

schools.aglasem.com

aglasem.com

69. 'धोलइया भइल' मुहावरा के अर्थ ह –

(A) खूब सत्कार (B) खूब पिटाई

(C) खूब मिठाई (D) खूब लड़ाई

70. 'कनक' शब्द ह –

(A) तत्सम (B) तद्भव

(C) देशज (D) विदेशज

71. 'सोना' शब्द ह –

(A) तत्सम (B) तद्भव

(C) देशज (D) विदेशज

72. 'खखन' शब्द ह –

(A) तत्सम (B) तद्भव

(C) देशज (D) विदेशज

73. 'ऑफीसर' शब्द ह –

(A) तत्सम (B) तद्भव

(C) देशज (D) विदेशज

74. 'वंशीधर' में समास ह –

(A) तत्पुरूष (B) बहुव्रीहि

(C) द्वन्द्व (D) द्विगु

75. 'पचफोरना' में समास ह –

(A) तत्पुरूष (B) नञ

(C) द्वन्द्व (D) द्विगु

76. 'अनहोनी' में समास ह –

(A) तत्पुरूष (B) नञ

(C) द्वन्द्व (D) द्विगु

77. 'साग–भात' में समास ह –

(A) तत्पुरूष (B) नञ

(C) द्वन्द्व (D) द्विगु

schools.aglasem.com

aglasem.com

78. जातिवाचक संज्ञा चुनीं –

(A) जानवर (B) हिमालय

(C) तेल (D) मिठास

79. व्यक्तिवाचक संज्ञा चुनीं –

(A) जानवर (B) हिमालय

(C) तेल (D) मिठास

80. भाववाचक संज्ञा चुनीं –

(A) जानवर (B) हिमालय

(C) तेल (D) मिठास

81. समूहवाचक संज्ञा चुनीं –

(A) जानवर (B) मेला

(C) तेल (D) मिठास

82. द्रववाचक संज्ञा चुनीं –

(A) जानवर (B) तेल

(C) मेला (D) मिठास

83. संज्ञा के भेद होखेला –

(A) दू (B) तीन

(C) चार (D) पाँच

84. क्रिया के भेद होखेला –

(A) पाँच (B) चार

(C) तीन (D) दू

85. विशेषण के भेद होखेला –

(A) दू (B) तीन

(C) चार (D) पाँच

86. काल के भेद होखेला –

(A) पाँच (B) चार

(C) तीन (D) दू

schools.aglasem.com

aglasem.com

87. लिंग के भेद होखेला –

(A) दू (B) तीन

(C) चार (D) पाँच

88. वचन के भेद होखेला –

(A) पाँच (B) चार

(C) तीन (D) दू

89. पुरूष के भेद होखेला –

(A) दू (B) तीन

(C) चार (D) पाँच

90. संधि के भेद होखेला –

(A) पाँच (B) चार

(C) तीन (D) दू

91. वाक्य के भेद होखेला –

(A) दू (B) तीन

(C) चार (D) पाँच

92. 'सीता जा रहल बिया' कइसन वाक्य ह ?

(A) सरल (B) संयुक्त

(C) मिश्र (D) तीनू

93. 'करियकी' शब्द के विलोम होखी –

(A) लमकी (B) गोरकी

(C) पतरकी (D) मोटकी

94. 'आग' के पर्यायवाची शब्द ह –

(A) अग्नि (B) पावक

(C) अनल (D) तीनू

95. 'पिसान' शब्द के अर्थ होखेला –

(A) सब्जी (B) दाल

(C) आटा (D) रोटी

schools.aglasem.com

aglasem.com

96. 'तियना' शब्द के अर्थ होखेला –

(A) रोटी (B) आटा

(C) दाल (D) सब्जी

97. 'घास' के लिंग ह –

(A) पुलिंग (B) स्त्रीलिंग

(C) दूनो (D) कवनो ना

98. 'दाल' के लिंग ह –

(A) पुलिंग (B) स्त्रीलिंग

(C) दूनो (D) कवनो ना`

99. 'बबुआ खात बाड़न' में काल ह –

(A) वर्तमान (B) भूत

(C) भविष्यत् (D) तीनू

100. 'बबुआ काल्ह खइहें' में काल ह –

(A) वर्तमान (B) भूत

(C) भविष्यत् (D) कवनो ना

खण्ड – ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. कवनो एगो पर निबंध लिखीं – 1X8=8

क्रिकेट मैच, पुस्तकालय, कवनो मेला, छठ पर्व

2. कवनो एगो पद्य के सप्रसंग व्याख्या करीं – 1X4=4

क. खोल द दुआर, भोर हो गइल
किरिन उतर आइल
आ खिड़की के फाँक से, धीरे से झाँक गइल
जइसे कुछ आँक गइल।

ख. कर्म पथ पर
आर बढ़त रहीं
आपन इतिहास

schools.aglasem.com

aglasem.com

रोज गढ़त रहीं

उलझीं मत

व्यर्थ चरन–वंदन में।

3. कवनो एगो गद्य के सप्रसंग व्याख्या करीं – 1X4=4

क. राखे के कौन बात लेले बाड़ा, देखले नइखा, भंडार घर केतना बड़ बा?

ख. अठमी के चनरमा, सड़ल तरबूजा के फाँक लेखा, घाँस के फुलुँगी में अझुराइल रहे – फीका, उदास, सकुचाइल। मारे धूर के असमान सिलेट लेखा सांवर लागत रहे।

4. कवनो एगो के पत्र–लेखन करीं – 1X5=5

क. परीक्षा पास कइला पर आपन छोट भाई लगे पतरी लिखीं।

ख. फीस माफ करे खातिर प्राचार्य लगे आवेदन–पत्र लिखीं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

5. कवनो पाँच प्रश्नन के उत्तर लिखीं – 5X2=10

क. ग्रियर्सन के पोसल सुग्गा का बोलत रहे ?

ख. छठ पर्व काहे लोकप्रिय ह ?

ग. जगदीशपुर काहे खातिर प्रसिद्ध बा ?

घ. फिरंगिया कवन रहन सन ?

ङ. पूरबी लोकगीत का बारे में लिखीं।

च. सोहर लोकगीत कब गावल जाला ?

छ. निरगुन भक्ति का बारे में लिखीं।

ज. अछूत की शिकायत का–का रहे ?

झ. भोजपुरिया लोग दही कइसे जमावेला ?

ञ. बाबू कुंवर सिंह का परिचय दीहीं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

6. कवनो तीन प्रश्नन के उत्तर लिखीं – 3X5=15

क. कवनो कहानी के कहानी कला के दृष्टि से समीक्षा करीं।

ख. कवनो कविता के भाव–सौंदर्य निरूपित करीं।

schools.aglasem.com

aglasem.com

ग. 'जोंक' एकांकी में आइल व्यंग्य पर प्रकाश डालीं।

घ. 'मछरी' कहानी में नारी के आइल दुःख वर्णित करीं।

ङ. सगुन आ निरगुन भक्ति में साम्य–वैषम्य बताईं।

च. भोजपुरी के विकास कइसे होखी ?

7. कवनो एगो के संक्षेपण करीं – 1X4=4

क. आधुनिक भारत के इतिहास में बाबू जगजीवन राम के नाँव कबो भुलाबल नइखे जा सकत। एगो दलित परिवार में जनम लेके उहाँ के अपना कर्त्तव्य, लगन आ दूर दृष्टि के बल पर देश के उपप्रधानमंत्री जइसन उच्च पद पर पहुँचलीं आ पूरा समाज से आपन लोहा मनववलीं। ऊँहा के पूरा जीवन प्रेरणा से भरल बा। जगजीवन बाबू बड़ी तेज दिमाग के रहीं। एही से उहाँ के कवनो बात के झट से जवाब दे देत रहीं।

अथवा

ख. पहर रात गइला बरखा नधियाइल आ गरजे–तड़पे लागल। कोठरी में चिराग तक ना रहल। भादो क अन्हरिया अइसनि कि लात तर क ना सूझे। खेदू दा का आगा त अइसहीं अन्हार छबले रहल। जनिये ताकसु, अन्हारे अन्हारा। सभी ओरि क डहरि बंद हो चुकलि रहली स। ठाकुरजी का नाँव पर खेदू क कान कटाइल आ उनका के दागि के साँढ़ बनावल गइल। अब ठाकुरो जी आँखि मूँदि देले रहलन। बेपरमान जल बरिसल। खेदू भींजत–किंकियात रहलन। खटिया तर बयतरनी बहति रहलि।

schools.aglasem.com
AglaSem Earn while Learn Program. Send your papers and get paid.
Contact: support@aglasem.com
aglasem.com